Q6. भूगोल जगत में कार्ल रिटर के योगदान की समिक्षा करें।

→ बिखरे हुए ज्ञान को संग्रहित करने वाला विख्यात जर्मन विद्वान कार्ल रिटर एक महान भूगोलवेत्ता थे। वे हम्बोल्ट के समकालिन थे व आधुनिक वैज्ञानिक भूगोल के संस्थापक थे। इन्हें CLASSICAL PERIOD OF MODERN GEOGRAPHY का पर्याय माना जाता है।

जीवनि :- कार्ल रिटर का जन्म जर्मनी की हार्ज पहाड़ीयों में स्थित एक गाँव के साधारण परिवार में 1779 ई० में हुआ था। उनके पिता एक चिकित्सक थे जिनकी मृत्यु तभी हो गई थी जब रिटर पाँच वर्ष के थे। इनकी प्रारंभिक शिक्षा स्नेपफेन्थल नामक स्कुल में हुई। जहाँ प्रकृति के अध्यन में रुचि जागृत की जाति थी। इस प्रकार रिटर का चिंतण घर से शुरू हो कर गाँव, समाज, देश होता हुआ भूमण्डल और अन्त में ब्रह्मण्ड तक प्रसारित हो गया। 17 वर्ष की आयु में रिटर ने हैले विश्वविधालय में प्रवेश लिया।

रिटर 1798 से फ्रैंकफर्ट में रहने लगे। तथा पश्चिमी यूरोप के अनेक स्थानों का भौगोलिक भ्रमण किया। लेकिन यह हम्बोल्ट की अपेक्षा बहुत कम था। इन यात्राओं के बाद प्रकाशित पुस्तकें एवं मानचित्रों के प्रकाशन से उसकी ख्याति फैली और 1819 ई० में फ्रैंकफर्ट विश्वविधालय में इतिहास व भूगोल का प्रोफेसर नियुक्त हुआ। एक ही वर्ष बाद वह नव स्थापित बर्लिन विश्वविधालय में भूगोल का प्रथम प्रोफेसर नियुक्त हुआ, जहाँ पर वह जीवन भर अध्यापन करता रहा।

रचनाएँ :- रिटर ने अपने जीवन काल में कई ग्रन्थ,

Scanned with CamScanner

मानचित्र एवं शोधपत्र प्रकाशित किए। उनमें से कुछ प्रमुख रचनाएँ निम्नलिखित हैं—

(i) 'यूरोप का भौगोलिक इतिहास एवं सांख्यिकी चित्रण' 1804 ई० में प्रकाशित हुआ जो इनका प्रथम ग्रन्थ था।

(ii) 'यूरोप का भूगोल' का दूसरा खण्ड 1807 में प्रकाशित हुआ

(iii) 1811 में शिक्षातंत्र पर कई शोधपत्रों का प्रकाशन हुआ

(iv) भौगोलिक ग्रन्थ अर्डकुन्डे के प्रथम खंड (अफ्रीका) का प्रकाशन 1817 में हुआ।

(v) अर्डकुन्डे के द्वितीय खंड (एशिया) का प्रकाशन 1818 में हुआ

रिटर ने भूगोल के लिए अर्डकुण्डे शब्द का प्रयोग किया था जो इनकी प्रमुख कृतियों में से एक था। भूगोल की परिभाषा रिटर के अनुसार — "GEOGRAPHY IS THE DEPARTMENT OF SCIENCE THAT DEALS WITH THE GLOBE IN ALL ITS FEATURES, PHENOMENA AND ~~[illegible]~~ RELATIONS AS AN INDEPENDENT UNIT AND SHOWS THE CONNECTION OF THIS UNIFIED WHOLE WITH MAN AND WITH MAN'S CREATOR."

"भूगोल विज्ञान का वह प्रभाग है, जिसमें भूमण्डल के सभी लक्षणों, घटनाओं व उनके सम्बंधों का, पृथ्वी को स्वतंत्र रूप से मानते हुए वर्णन किया जाता है। इसकी समग्र एकता एवं जगत पिता से विदाई देती है।"

चिन्तन व अध्ययन :- रिटर की विचारधारा पर हम्बोल्ट के चिन्तन का प्रभाव पड़ा था। और इस बात को रिटर ने भी स्वीकार किया था परन्तु रिटर ने ~~[illegible]~~ भौगोलिक अध्ययन के लिए प्रादेशिक विधि को अपनाया। जिसमें भौतिक एवं मानविय